

(ओतिल रविवार तक)

यात्रायात्रः-

२- ग्राहक, व्यालिमारी, लवनिक्षमार, व्युत्प्रवाकारी वैदेश ग्रहक्षमार
व्यप्तिशोधी व्यष्टि शब्द जो व्यालिमारी लाभ वा वटा ने. ए जो हातिक्षमा
श्य उत्तो निरर्थ शब्दजा व्यष्टि तिर्मण रहेंगे यद्य प्रेक्षक जानियहुए
लाभ वा व्यष्टि क्षमास जांदे, वजाए भावत्वावत् जा कठिनाई हत्यन् ब्रह्मो
हुएं कल व्यष्टि व्यवस्थित तिर्मण जो ताजी प्रेक्षक व्यष्टार लेन्द्रीय
शब्दकार रहेंग जीवरहार जाग जावे ।

३- नेपाल, चुक्कियावारी सहित वर्तमानीति गर्दै उच्च शब्द
लाई छातिकुण्डा, जीवन्तकुण्डा रुद्र वदा नै ८० को स्वाधीन शासनो अस्तु
लाई विद्या॒ को लाभी प्रशंसा खण्डाला जीरदा साग गर्ना ।

Q- छवियां बनाएं, जो वाहनों का उत्तराधिकारी हो।

Friction :-

१- द्युषीपावारी - पाइ, तुसगता, खलापितार् द्युषिका
जा हृष्ट कुमारो लिहिड़ दिंवाई, दिष्ट बोहिड़, वा हृष्ट कोशमालया
द्युषारे गरि चलनालन जा ल्याउन प्रेषा सरकार् र केशिय सरकार
वा जोरदा (जाग गत) ।

खानेपाली :-

१- पाठा बोलते, कुछ भरा, लोगोंकेर हातिछुड़ा
का कहतीहुमा इबरदूर्वापनी को ताजी प्रेषणों द्वारा (इन्हें य
सरेगा) (जो जागा जाने ।

“Eight”

9- यह बालिगारी ग्राउंपलिंग को डा. ने ७ जारी करने का फैसला
मान्यता प्राप्ति दिए गए थे इसके बावजूद अवधारणा सहित बां
कुक्षा १२ सालवाली कृषि प्राविधिक मिशन अधिकारी ने जने आवश्यक
बोरडमेंट की लाजी प्रदेश शहरारू के लिए शहरारू सार्वजनिक
ग्राहन करने की

५- गर्दे तदं ६ प्रा रेणा शारद भोविं, गोवा
आप विं र नजां रे. दृष्टि वाचिद्वा जा रेणी लाई शारदिं पा—
शिक्षाए दरबन्धी र गोविं द्रवाच्छ (मिसां दो तांत्री प्रदेशाम्भार
२ केन्द्रीय शरकारमा जीरकार माण गंति ।

स्वाख्य !-

६- श्रीमानावारी श्वाख्य लोंडी लाई श्वाख्यती
गरि प्राथामिक श्वाख्य वैष्ण श्वापनबो लाभी प्रदेश शरकार
केन्द्रीय शरकारमा जाण गंति ।

७- वदा नं. ७ को कुखुभरा मा आवार्माते श्वाख्य
हुकाई श्वापताबो लाभी प्रदेश शरकार जा जाण गंति ।

"विद्युत "

१- शत्र्यपद्धी, श्वामिवास, हॉउलोता, बारुले
कुखुभरा, -पाड़, श्रीमानावारी, वाचिद्वा श्रीतिपा अमानापुणी
-८ ११०८ श्रम वारचुरी जा लाची वाली हुद्देश्य ले विगत हुई
विद्युत श्रीमानावारी श्वाप एलाई विरताए भरता जनि हालसाळ
बची जोडात तजास्तो ले तत्कात विद्युत जोडाव दो लाभी प्रदेश
शरकार २ केन्द्रीय शरकार जा जोडेला जाण गंति ।

ब्रू बोतावरण !-

१- यद्य इत्रे बोंडी राष्ट्रिय प्रिकुञ्ज अस्तीन्त
भद्रोवसी श्रेष्ठ शिव पर्वी भर्ष्यो हुँदा बन्धनत्तु वा लिसान
हुकुबो लेती वाली र घरपालुवा बरस्तुभाउँ स्तोत लाई श्रीति
पुन्हाई रछो हुँदा यद्य को बोवल्यापन जो २ यर्दे श्रीवित्रिना
आमबास, गोदीखुही, छाउलोता हुकुबो प्रान्त बाटीहुङ्गा बत
जात्हुहुकु तो आकु सार ने मानिय न्हु बरही ते बस्त रसकते
फावरल्या भारजी ले उकु बाटी न्हुलाई विद्युति जाँ जान्नी
बर्देवास को बाल्यार र यी श्रेष्ठ बस्ती जस्तै श्रीमान
नाचिद्वा, बाटुहर्ती, कुखुभरा, श्वामिलास, नारुले, हॉउलोता आर

ਮੈਟੀਖੁਡੀ, ਚੂਤਿਆ ਕਲੀਰਕ੍ਰਾ ਸ਼ਵੇਰਾਵ ਵਾਗਰਜਾਨੀ
ਸ਼ਹਿਰੀ ਬਰਵਾਡੀ ਲਾਜੀ ਪਕੋਂ ਪੱਥਰਾ ਅਤੇ ਕੇਂਦ੍ਰੀਧ ਸ਼ਭਾਲਾ
ਬੋਰਵਾ ਜਾਂ ਜੰਨੀ।

ਨਵੀਂ ਨਿਧਿਤਵਣ :-

੭- ਬੋਬੈਟ ਸਹਿਜਾ ਕਈ ਭਾਂਨੀ ਵਾਡੀ ਵਿਖੇ ਕਿਵੇਂ ਹੋ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।
2069 ਬਾਲਕੀ ਵਾਡੀ ਪਹਿਓਂ ਆਦਿਆਤ ਵਾਡੀ ਮਾਡੀ ਹਵਾਲੇਵਾਲਾ
ਛੁਲੇ ਯਥ ਫੁੱਲੇ ਜਿਵੇਂ ਏਂ ਬਖ਼ਤੀਹੁਕੁ, ਸ਼ਵਾਸਿਵਾਦੁ, ਸ਼ਨਾਸਥੀ
ਛੁਲੇਵਾਲਾ, ਬਾਕੁਲਨੈ, ਕੁਝੁਸਤਰਾ, -ਪਾਇ, ਬੁਈਪਾਵਾਰੀ, ਵਾਨਿਛੁਣਾ ਉਥੀਆਂ
ਸ਼ਾਮਾ ਬਾਲੀ ਜੂਨੀ ਹੁਕੀ ਪ੍ਰੋਗ ਅਨੀਤ ਬਹੌਂਨੀ ਵਾਡੀ ਤੋਂ ਕਹਾਂ ਜਾਂਦੀ
ਪਹੌਂਨੀ ਸਾਰਕ ਬਲੀ ਜੋਖਿਆ ਕਣ ਅਕਥਾ ਵਿਦਿਆਲਘ ਕੀਤੇ
ਜੋਖਿਆ ਸਾ ਰਣੀ ਲੈ ਸ਼ਾਮਾ ਬਾਲਾ ਛੁਕੇ ਸੀਜ਼ਸਾ ਵਾਡੀ ਸ਼ਾਮਾਦਮ ਰਹ੍ਹੀ
ਸ਼ਾਸ਼ੀ ਲੈ ਰੂਹਤ ਨੁਹੁ ਧੋਬਤਾ ਕਰਾਈ ਲਾਣੁ ਜੰਨੀ ਪ੍ਰਦੇਵਾ ਵੱਡਾ
ਅਤੇ ਕੇਂਦ੍ਰੀਧ ਸ਼ਭਾਲਾ (ਈਂਗ ਬੋਰਵਾ) ਜਾਂ ਜੰਨੀ।

ਕੁਝਿ :-

੮- ਯਥ ਫੁੱਲੇ ਜਿਵੇਂ ਆ ਅਨਿਆਤੀ ਸ਼ਵਾਸਿਵਾਦੁ —
ਵਾਲੇਵਾਲਾ, ਬਾਕੁਲਨੈ, ਕੁਝੁਸਤਰਾ, ਪਾਇ, ਬੁਈਪਾਵਾਰੀ, ਬਾਕੁਲਨੈ
ਵਾਨਿਛੁਣਾ ਉਥੀਆਂ ਰਾਮੀਕਾ, ਰਕੋਤੀ ਯੋਗ ਅਨੀਤ ਜਾ ਜਾਂਦੀ
ਉਲਟਰਾਫ ਜਾਰੀ ਨਮੋਡਿਮ ਕਿਵੇਂ ਕਿਵੇਂ ਪ੍ਰਯਾਤ ਸਾਤਸਾ ਸ਼ਾਹੀ ਲੈ ਦਿਓਂ
ਕੀਦਾ ਉਪਤਲਥਾ ਹਰਾਹਾ ਬਾਲੇਵਾਲਾ ਰੋਂਗ ਜੋਵਾ ਜਾਗ ਜੰਨੀ

੯- ਪਹੌਂਕਾ ਸ਼ਾਪੂਰੀ ਰਕੋਤੀ ਯੋਗ ਅਨੀਤ ਵੀ ਜਾਂਦੀ
ਪੀਛਿਠਾ ਜਾਰੀ ਪਾਵਿਧਿਕ ਨੁਪਲੇ ਉਪਤਲਥਾ ਛੁਨੇ ਵਾਲੀ ਕੰਪਾਵਾ
ਜਾਂ ਪਹੌਂਕਾ ਕਾ ਅਨਿਧਿਹੁਕੁ ਜੀ ਜਿਵੇਂ ਹਲੈਕੁਲਾ (ਛੀ ਜੀ ਲਾਜੀ
ਪਾਲਿਵਾ ਸ਼ਭਾਲਾ, ਪ੍ਰਦੇਵਾ ਵਾਲਾ) ਅਤੇ ਕੇਂਦ੍ਰੀਧ ਸ਼ਭਾਲਾ (ਈਂਗ ਬੋਰਵਾ)
ਜਾਗ ਜੰਨੀ।

रेवेल प्रैक्टिकः

१- यस क्षेत्रजिवाशम्पूणी मुख्यानुभवों जारी रखें। इनके लिए उत्तराखण्ड राजसभा के लिए एक संगठन बनाया गया है। यह एक अनुदान एवं प्रशिक्षण संस्थान है।

रेत्तवारः

२८-ग्रा शम्पूणी कर्तवीर्यानुभव शम्पूणी राजसभा द्वारा आयोजित किया गया एक विचार सत्र है। इसमें भाजपा एवं दलित लोकों की विभिन्न विचारों को विस्तृत रूप से विवेचित किया जाता है। यह एक विशेष एवं विश्वासी विचार सत्र है।

झी.पू०:-

३- यह क्षेत्रीय दृष्टिकोण, राजनीतिक एवं राजनीतिक विचारों का एक विशेष विचार सत्र है। यह एक विशेष विचार सत्र है। यह एक विशेष विचार सत्र है।

"उल्लेखन संस्करण"

माध्यमिक रूप से इसका उल्लेखन किया जाता है। यह एक विशेष विचार सत्र है।

तपशिलि :-

१- भरत पुनः

२- पुरुषोत्तम भाष्यार्थी

३- शोध विस्तृत

४- दृष्टी कान्तिजाली

५- मानव गहतारा

६- वर्त्तकी वृद्धि

७- विशेषज्ञ

८- विशेषज्ञ

९- विशेषज्ञ